कुष्ठरोग (Leprosy)

कुष्ठरोग यह अत्यंत संक्रामक नही है तथापि उपचार से ठीक हो सकता है।
प्रभावित रोगी नियमित औषधोपचार के चलते शीघ्र ही मुक्त होते है।

रोग परिचय :

- मायकोबॅक्टेरीयम लेपराय के जीवणू संक्रमण से होने वाला रोग।
- यह हाथ, पांव, मुख एवं त्वचा की तंत्रिकाओं को प्रभावित कर सकता है।
- अत्यंत अल्प गति से ३ वर्षों के ऊष्मायान समयावधि में बढता है।

उपचार :

- एम.डी.टी. MDT यानि मल्टी ड्रग ट्रीटमेंट (उपचार) रिफाम्पीसिन, क्लोफाझीमाईन, डेप्सॉन
- MDT यह परिपूर्ण रोग निदान करती है, यह स्वास्थ्य केन्द्रोंपर मुक्तमें उपलब्ध है।
- MDT यह सलाह से नियमित लेनी चाहिये, पूरा कोर्स

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय कुष्ठरोग निर्मूलन अभियान प्रारंभ किया गया है, ताकि देश से कुष्ठरोग निर्मूलन किया जा सके।

विकलांगता (संवेदना का खो जाना) हाथ, पांव, ऑखो की विकृती यह देर से रोग का पता चलने पर हो सकता है, या जानकारी का अभाव होता है कि कैसे असंवेदनशील हिस्से को बचाया जा सके।

क्या करें :

- शरीर के किसी भी हिस्से में संवेदन शून्य होने पर कोई धब्बा दिखाई देने पर नियमित चिकित्सक जांच करे, आपके चिकित्सक से संपर्क करें।
- यदि जांच के पश्चात कुष्ठरोग की पुष्टी होती है तो शीघ्र ही MDT लेना शुरू करें।
- चिकित्सा को पूर्ण कालावधि तक ले तांकि रोग निदान हो सके एवं विकृति से मुक्ति मिल सके।

क्या न करें :

- शारिरीक शुद्धता को दुर्लक्षित ना करें।
- त्वचा के दागों को छिपा देना।
- डर, कुष्ठरोग MDT से ठीक किया जा सकता है।
- स्वास्थ्य केन्द्र पर MDT लेने हेतु अनियमित नहीं रहना चाहिये।
- रोज की दवा लेने में लापरवाही बरतना।

लक्षण एवं चिन्ह :

- त्वचा पर पीले एवं किंचित लाल धब्बे।
- धब्बो पर संवेदना समाप्त होना।
- तंत्रिकाओं का नुकसान होना
  - हाथ/पाव में संवेदना का लुप्त होना
  - हाथ/पाव/चेहरा की नसों की कमजोरी
  - हाथ/पाव/चेहरे पर विकृति दिखाई देना

महत्वपूर्ण मुद्दे :

- कुष्ठरोगी बहुत अधिक संक्रामक व्यक्ति नही है।
- कुष्ठरोग इस बीमारी का विशिष्ट जीवनसत्व दवाओं से उपचार किया जा सकता है।
- कुष्ठरोगी व्यक्ति सामूहीकरण परिवार के साथ रह सकते है, वे नौकरी भी कर सकते है।
- कुष्ठरोगी व्यक्ति को अलग करना आवश्यक नही है।
- MDT कुष्ठरोग का इलाज है; संक्रमण को रोकती है एवं विकलांगता से बचाती है।

इलाज के बजाय रोग का प्रतिकार श्रेष्ठ होता है

References: http://nlep.nic.in/guide.html, http://www.who.int/lep/en/

Prepared by:
Maharashtra State Pharmacy Council's Drug Information Centre
dic.mspcindia.org